13. वाच्य

वाच्य का शाब्दिक अर्थ है बोलने का विषय। क्रिया का वह रूप जो क्रिया में कर्ता या भाव की प्रधानता के बारे में बताए, वाच्य कहलाता है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ छात्र वाच्य पहली बार पढ़ रहे हैं। सर्वप्रथम वाच्य को उदाहरणों की सहायता से समझाएँ। पृष्ठ 71 पर दिए वाक्यों को पढ़ें तथा समझाएँ।
- ❖ समझाएँ, वाच्य क्रिया में कर्ता, कर्म तथा भाव की प्रधानता बताता है।
- ❖ वाच्य की परिभाषा याद करवाएँ। समझाएँ, क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि वह वाक्य में किसके द्‌वारा प्रयुक्त की गई है, उसे वाच्य कहते हैं।
- ❖ वाच्य के भेदों से अवगत कराएँ।
- ❖ पृष्ठ 71-72 पर दिए भेदों को उदाहरणों द्‌वारा स्पष्ट रूप में समझाएँ।
- ❖ बीच-बीच में भिन्न-भिन्न उदाहरणों द्‌वारा जाँचें कि छात्र वाच्य कितना सही समझ पाए हैं।
- ❖ छात्रों को वाच्य परिवर्तन करना सिखाएँ। पृष्ठ 72 पर दिए वाच्य परिवर्तन के वाक्य पढ़वाएँ तथा समझाएँ।
- ❖ मौखिक प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें।